Daily Gospel Reflections in Hindi

10 June 2019

मत्ति 11:25-30

JESUS IS THE COMFORT FOR THE WEARY

आज के सुसमाचार के जरिए येसु दो बातों को हमारे सामने रखते है। पहली बात यह है कि विश्वास ईश्वर की ओर से एक बड़ी कृपा है और इस कृपा को हमें स्वीकार करना है। प्रभु ईसा कफरनाहूम, ख़ोराज़िन और बेथसाइदा में बहुत सारे चमत्कार दिखाये फिर भी उन्होंने विश्वास नहीं किया। इसलिए येसु उन अविश्वासी नगरो को धिक्कारते है और धिक्कारने के बाद बताते है पिता को काई नहीं जानता, केवल पुत्र जानता है और वही जिस पर पुत्र उसे प्रकट करने की कृपा करें। जो विश्वास हमें मिला है वह येसु की बड़ी कृपा है।

दूसरी बात में येसु हमें समझाते हैं कि जब अपने जीवन में हम थक जाते है, परेशान हो जाते है और बोझ से दब जाते है तब विश्वास के लिए हमें येसु के पास जाना है, और किसी व्यक्ति या वस्तु के पीछे नहीं। जब हम येसु के पास जायेंगे येसु हमें अपना जुआ देंगे। प्रभु का जुआ है नई शिक्षा। जब हम उस नयी शिक्षा के अनुसार चलेंगे तब अपनी आत्मा शांति पायेगी।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019